National Education Policy-2021
Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand Universities/ Colleges
Subject: Sanskrit
Semester-wise Titles of the Papers in U.G. Programme (B.A. Sanskrit)

Vocational Minor/Skill Development Courses

Year	Semester	Course Code	Paper Title	Theory/Practical	Credits
B.A.-1	I	SAN/UGVM015 Vocational Minor/Skill Development	नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	Theory+ Practical	2+0+1
	II	SAN/UGVM016 Vocational Minor/Skill Development	संस्कृत संगणक	Theory+ Practical	2+0+1
B.A.-2	III	SAN/UGVM017 Vocational Minor/Skill Development	ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	Theory+ Practical	3+0+1
	IV	SAN/UGVM018 Vocational Minor/Skill Development	संस्कृत पत्र एवं पत्रकारिता	Theory+ Practical	2+0+1

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:I Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: संस्कृत सङ्गणक**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी सङ्गणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग करनेमें सक्षम होंगे।
2. E- Content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग करने में समर्थ होंगे।
3. संस्कृत भाषा और साहित्य के नित्य–नवीन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व–ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
4. सङ्गणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार करने में कुशल बनेंगे।
5. पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामञ्जस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	सङ्गणक का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से सङ्गणक की उपयोगिता, विभिन्न उपकरण(सॉफ्टवेयर)–माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पावरप्वाइंट, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल।	12
Unit II	सङ्गणक में संस्कृत–हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी उपकरण (टूल्स)–यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग।	12
Unit III	अन्तर्जाल (इंटरनेट)का प्रयोग एवं वेब सर्च–ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैग्जीन, डिजिटल लाइब्रेरी। संचार माध्यम से (ऑनलाइन) शिक्षण–प्रशिक्षणका आधार (टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म) –जूम, टीम, मीट, वेबैक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं शोध आधार (रिसर्च प्लेटफार्म) –स्वयं, मूक, ई–पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्रेट, शोधगङ्गा, गूगल स्कॉलर आदि।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।
2. कम्प्यूटर फंडामेंटल, पी0के0 सिन्हा, बी0पी0बी0 पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

4– कम्प्यूटर : सामान्य परिचय – डॉ0 शोभा भारद्वाज– युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।

5– कम्प्यूटर : मौलिक सिद्धान्त– डॉ0 शोभा भारद्वाज– युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा। डॉ0 शोभा भारद्वाज– युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	**Year: I**	**Semester:II** **Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode: | **Course Title: नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
2. नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
3. भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
4. सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
5. आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नित्य विधि (प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण **तथा** पंचयज्ञ) से सम्बन्धित मन्त्रों **अथवा** श्लोकों **का अध्ययन एवं अभ्यास।**	12
Unit II	षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिकाविधि, **मंडप** – कुंड निर्माण **तथा** होम विधि आदि मन्त्रों **अथवा** श्लोकों **का अध्ययन एवं अभ्यास।**	12
Unit III	नवग्रह शांति, **प्राग्जन्म तथा** जातकर्म संस्कार, **अन्नप्राशन तथा** चौलकर्म, यज्ञोपवीत, विवाहसंस्कार, **गृहारम्भ एवं** गृहप्रवेश आदि मन्त्रों **अथवा** श्लोकों **का अध्ययन एवं अभ्यास।**	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. हिन्दू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 1995।
2. धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।
4. पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
5. नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीता प्रेस गोरखपुर।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:III Paper-III**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. भारतीय प्राचीन ज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगी।
2. भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
4. पंचागं अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।

Credits: 3	**Vocational/Skill Development Coures**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास– वेदांग का परिचय, ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व, ज्योतिषशास्त्र का इतिहास एवं ज्योतिषशास्त्र परम्परा एवं विकास।	12
Unit II	ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण श्लोक 01 से 40 पर्यन्त–ज्योतिष चंद्रिका परिचय, कृतिकार का परिचय, ज्योतिष चंद्रिका का महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit III	क– ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण श्लोक 41 से 80 पर्यन्त– श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ख– होडाचक्रम् का सामान्य परिचय।	13
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total- 45

Suggested Reading:

1. ज्योतिष चंद्रिका, रेवती रमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
2. ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो0 बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
3. बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु0), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
4. बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु0), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली।
5. भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु0), हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश।
6. भारतीय ज्योतिष परिचय, सर्वनारायण झा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, शास्त्री, नई दिल्ली।
7. ब्रह्मांड एवं सौर परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।
8. भुवन कोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली।
9. ज्योतिष के आधारभूतत्त्व एवं ज्योतिषचन्द्रिका –सम्पादक व्याख्या0 गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली।
10. होडाचक्रम्–

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***

Year: II | **Semester:IV** **Paper-III**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत पत्र एवं पत्रकारिता**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृत पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. संस्कृत संपादक और संपादन के सिद्धान्त से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता के समस्या और समाधान का बोध हो सकेंगा।
4. आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत वार्ता, संस्कृत और सोशल मीडिया से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी संस्कृत शोध पत्र–पत्रिकाओं से परिचित हो सकेंगे।

Credits: 3 | **Vocational/Skill Development Coures**

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृत पत्रों का परिचय , पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास।	10
Unit II	संस्कृत समाचार का सम्पादक और सम्पादन करने के सिद्धान्त एवं अर्वाचीन संस्कृत पत्रकारिता की समस्या एवं समाधान।	15
Unit III	आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत वार्ता एवं सोशल मीडिया का परिचय।	12
	Class Room Lectures	37
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	08
		Total- 45

Suggested Reading:

1– पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली।

2– संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्त्वं च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली।

3– संस्कृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय